मुलतानीमल मोदी महाविद्यालय,मोदीनगर

राष्ट्रीय सेवा योजना–2017–2018

सात दिवसीय दिन–रात के विशेष शिविर के प्रथम दिन की आख्या

हमारे महाविद्यालय में सत्र 2017–18 में संचालित रा0से0यो0 की चारों इकाईयों के सात दिवसीय (दिन–रात) शिविर का शुभारम्भ दिनांक 05.01.2018 को प्रातः 9 बजे ग्राम भूपेन्द्रपुरी में कार्यक्रम अधिकारी **डॉ0 मयंक मोहन** जी के नेतृत्व में हुआ था। **इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ0 आर0सी0लाल, विशिष्ट अतिथि डॉ0 पी0 के0 गर्ग थे।** शिविर के उद्घाटन के समय डॉ0 विवेकशील, श्री बी0एम0गोयल, **दैनिक समाचार पत्रों के सम्माननीय पत्रकार बन्धु** तथा अन्य गणमाननीय व्यक्ति भी उपस्थित थे। प्रातः 10 बजे उद्घाटन कार्यक्रम के पश्चात् स्वयं सेवकों ने ग्राम का सघन अवलोकन किया तथा विस्तृत रूप से सर्वेक्षण किया। स्वयं सेवकों ने ग्रामीणों और अपने मध्य एक अच्छा समन्वय स्थापित करते हुए ग्रामीण जीवन की समस्याओं को जाना तथा अपने स्तर पर उन समस्याओं के समाधान के लिये विचार

मंथन भी किया। दोपहर भोजन के पश्चात् बौद्धिक कार्यक्रम में श्री मनोज जी ने स्वयं सेवकों को गुरू गोविन्द सिंह जी की जयन्ति के अवसर पर उनके विचारों से प्रेरित किया। बौद्धिक कार्यक्रम की आज की गोष्ठी का विषय **"स्वतंत्रता हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है"** था। जिसमें स्वराज जैसे विषय को लेकर नई–नई परिभाषायें सामने आयी इसमें अधिकांश छात्रों एवं अतिथियों ने बहुत ही सारगर्भित तरीके से अपनी बातों को रखा। सांय 4 बजे बौद्धिक कार्यक्रम के पश्चात् सभी स्वयंसेवकों ने मिलकर लाल बहादुर शास्त्री स्कूल जिसमें कि शिविर का आयोजन किया गया था उस स्थान की साफ–सफाई की। सांय 5 बजे सभी स्वयंसेवक अपनी–अपनी टोली के साथ आस–पास के क्षेत्रों में भ्रमण हेतु निकल गये। सायं 6 बजे के लगभग चारों इकाईयों के स्वयंसेवक कृष्णाकुंज स्थित शिविर स्थल पर एकत्रित हो गये जिसका मुख्य कारण यह था कि सुरक्षा की दृष्टि से चारों इकाईयों के कार्यक्रम अधिकारियों ने प्राचार्य महोद्य को संज्ञान में लाते हुए यह निर्णय लिया था कि रात्रि के सभी कार्यक्रम महाविद्यालय की चारों इकाईयां समवेत

रूप से एक ही स्थल पर एकत्रित होकर सम्पन्न करेंगी तथा अगले दिन प्रातः योगाभ्यास के पश्चात् सभी इकाईया अपने–अपने कार्यक्षेत्र में लौट जायेंगी। स्वयंसेवकों ने रात्रि भोजन की तैयारी प्रारम्भ कर दी जिसमें प्रथम दिन महाविद्यालय की प्रथम इकाई ने भोजन बनाने का कार्यभार ग्रहण किया जिसमें उन्होंनें अपने कार्यक्रम अधिकारी की मदद ली। भोजन का कार्य लगभग रात्रि 8 बजे समाप्त हो गया जिसके पश्चात् कैम्प फॉयर लगाया गया स्वयंसेवकों ने विभिन्न कार्यक्रमों की प्रस्तुती दी। रात्रि दस बजे लडकों के दल के साथ श्री योगेन्द्र जी रहे तथा लडकियों के दल के साथ डॉ0 सीमाराज जी रही। कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 मयंक मोहन तथा डॉ0 अमर सिंह कश्यप अपने–अपने दल के कुछ लडकों के साथ सुरक्षा शिविर में रहे।

शिविर के दूसरे दिन छात्रों ने कार्यक्रम अधिकारी **डॉ0 मयंक मोहन** के नेतृत्व में ग्राम भूपेन्द्रपुरी की मलिन क्षेत्रों में सफाई अभियान चलाया तथा कई क्षेत्रों की साफ–सफाई करते हुए ग्रामीणों को स्वच्छता के लाभों से अवगत कराया इसके साथ ही पूर्व सत्र

2016–17 में किये गये अपने द्वारा किये गये कार्यो की समीक्षा भी की। यहां यह देखकर अच्छा लगा जिन क्षेत्रों में सत्र 2016–17 में हमारे स्वयंसेवकों ने सफाई अभियान चलाया था तथा लोगों को सफाई के प्रति जागरूक किया था वहां इस वर्ष काफी साफ–सफाई देखने को मिली। यहां यह बात ध्यान देने योग्य है कि पूर्व सत्र 2016–17 में हमारे महाविद्यालय की छात्राओं ने जो भी बातें ग्रामीण महिलाओं को समझाई थी वे उनका पालन करने में तत्पर रही। बौद्धिक कार्यक्रम के अन्तर्गत आज के अतिथी श्री योगेन्द्र शर्मा जी थे उन्होंने विद्यार्थियों के लिये सामान्य ज्ञान के महत्व को बताते हुए उन्हें अपने व्यक्तित्व विकास को निरन्तर समृद्ध करने के लिये प्रेरित किया। आज बौद्धिक कार्यक्रम के अन्तर्गत छात्र–छात्राओं के बीच **वाद–विवाद प्रतियोगिता** का आयोजन हुआ जिसमें उनके साथ–साथ शिविर में उपस्थित अन्य लोगों ने भी बढ–चढकर हिस्सा लिया। सांय 4 बजे बौद्धिक कार्यक्रम के पश्चात् सभी स्वयंसेवकों ने मिलकर शिविर स्थल की साफ–सफाई की। सांय 5 बजे स्वयंसेवक

अपनी–अपनी टोली के साथ आस–पास के क्षेत्रों में भ्रमण हेतु निकल गये। कुछ स्वयंसेवकों ने वहीं क्रिकेट खेलकर अपना मनोरंजन किया इस खेल में उनके साथ स्थानीय बच्चे भी लग गये जिसके कारण स्थानीय निवासियों के साथ हमारे शिविर के साथ पारिवारिक माहौल बन गया। सायं 6 बजे के लगभग चारों इकाईयों के स्वयंसेवक पुनः कृष्णाकुंज स्थित शिविर स्थल पर एकत्रित हो गये। स्वयंसेवकों ने रात्रि भोजन की तैयारी प्रारम्भ कर दी जिसमें आज के दिन महाविद्यालय की द्वितीय इकाई ने भोजन बनाने का कार्यभार ग्रहण किया जिसमें उन्होंनें अपनी कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 सीमाराज की मदद ली। भोजन का कार्य लगभग रात्रि 8 बजे समाप्त हो गया जिसके पश्चात् कैम्प फॉयर लगाया गया स्वयंसेवकों ने विभिन्न कार्यक्रमों की प्रस्तुती दी साथ ही स्थानीय लोगों ने रागनी प्रस्तुत की जिससे कैम्प का वातावरण संगीतमय हो गया। रात्रि दस बजे लडकों के दल के साथ डॉ0 मयंक मोहन रहे तथा लडकियों के दल के साथ डॉ0

सीमाराज जी रही। कार्यक्रम अधिकारी श्री योगेन्द्र तथा डॉ0 अमर सिंह कश्यप अपने–अपने दल के कुछ लडकों के साथ सुरक्षा शिविर में रहे।

शिविर के तीसरे दिन छात्र स्वयंसेवकों ने कार्यक्रम अधिकारी **डॉ0 मयंक मोहन** के नेतृत्व में ग्राम की दीवारों पर हाथ से बने बैनरों के माध्यम से सामाजिक विकास एवं उत्थान के लिये आर्कषक नारे लिखे तथा नुकक्ड नाटक के माध्यम से नशा, दहेज, अशिक्षा, अंधविश्वास इत्यादि सामाजिक बुराईयों की ओर लोगों का ध्यान आर्कषित किया । आज के दिन हमारे शिविर के 48 स्वंयसेवकों ने सरकारी अधिकारियों के माध्यम से पल्स पोलियो अभियान के अन्तर्गत बच्चों को दवाई पिलायी। इसके साथ ही आज सरकारी आदेशानुसार सभी बी0एल0ओ0 की डयूटी ग्रामीण क्षेत्रों में लगायी गयी थी जिसमें उन्हें लोगों की वोटर आई डी बनाने की प्रक्रिया पूरी करनी थी हमारे स्वयंसेवकों ने बी0एल0ओ0 की मदद हेतु घर–घर जाकर लोगों को बताया कि आज उनकी वोटर आई0 डी0 कार्ड बन रहा है। जिसकी वजह से अनेकों ग्रामीण अपने–अपने वोटर आई0

डी0 कार्ड बनवाये में सफल रहे। बौद्धिक कार्यक्रम की गोष्ठी का आज का विषय **शिक्षक एवं शिक्षार्थी** था। जिसमें हमारे अतिथी श्री अशोक त्यागी जी रहे। जिन्होंने ने अपने ओजस्वी विचारों से शिक्षक एवं शिक्षार्थी के परस्पर संबधों को नये तरीके से परिभाषित करते हुए उन्हें एक–दूसरे का पूरक बताया। सांय 4 बजे बौद्धिक कार्यक्रम के पश्चात् सभी स्वयंसेवकों ने मिलकर शिविर स्थल तथा उसके आस–पास के क्षेत्रों की साफ–सफाई की। सांय 5 बजे सभी स्वयंसेवक अपनी–अपनी टोली के साथ आस–पास के क्षेत्रों में भ्रमण हेतु निकल गये। सायं 6 बजे के लगभग चारों इकाईयों के स्वयंसेवक पुनः कृष्णाकुंज स्थित शिविर स्थल पर एकत्रित हो गये। स्वयंसेवकों ने रात्रि भोजन की तैयारी प्रारम्भ कर दी जिसमें आज के दिन महाविद्यालय की तृतीय इकाई ने भोजन बनाने का कार्यभार ग्रहण किया जिसमें उन्होंनें अपने कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 मयंक मोहन की मदद ली आज भोजन के समय कुछ स्थानीय निवासी भी आ गये तथा उन्होंने भी स्वयंसेवकों के साथ ही भोजन किया उसके पश्चात् उन्होंने कहा कि वें अगले दिन

पर्याप्त मात्रा में गुड और मट्ठा स्वयंसेवकों के लिये भिजवायेगें। भोजन का का कार्य लगभग रात्रि 8 बजे समाप्त हो गया जिसके पश्चात् कैम्प फॉयर लगाया गया स्वयंसेवकों नृत्य कार्यक्रम की प्रस्तुती दी। रात्रि दस बजे लडकों के दल के साथ श्री अमर सिंह जी रहे तथा लडकियों के दल के साथ डॉ0 सीमाराज जी रही। कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 मयंक मोहन तथा डॉ0 योगेन्द्र अपने–अपने दल के कुछ लडकों के साथ सुरक्षा शिविर में रहे।

शिविर के चौथे दिन छात्र –छात्राओं ने कार्यक्रम अधिकारी **डॉ0 मयंक मोहन** के नेतृत्व में विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में वृक्षारोपण किया तथा कृषि कार्यों से सम्बन्धित तकनीकी ज्ञान की जानकारी ग्रामीणों को दी। इस वर्ष इस क्षेत्र में फसलों में कीडा लगने की समस्या पहले से कम देखने को मिली। लेकिन हमारे स्वयंसेवकों ने कृषि विभाग के अधिकारियों से सम्पर्क करके उन्हें अपने शिविर में आंमत्रित किया तथा ग्रामीणों की कृषि से संबधित विभिन्न समस्याओं के निराकरण का प्रयास किया। इसके अतिरिक्त छात्राओं ने ग्रामीण

महिलाओं एवं बच्चों की उन समस्याओं को दूर करने का प्रयास किया जो कि अशिक्षा, अज्ञानता एवं रुढिवादिता के कारण उनके बीच में उत्पन्न हो रही थी। समाज सेवी संस्था की कार्यकर्ता श्रीमति मालिनी जी ने छात्राओं के उक्त कार्य की प्रंशसा की तथा स्वयं काफी समय तक उन छात्राओं के साथ ग्रामीण क्षेत्रों का भ्रमण किया। उनके इन प्रयासों का ग्रामीणों द्वारा खुले हृदय से स्वागत किया गया। आज प्राचार्य महोद्य ने शिविर का औचक निरीक्षण किया तथा शिविर के अच्छे संचालन के लिये कार्यक्रम अधिकारी को बधाई देते हुए स्वयंसेवकों की उनके अच्छे कार्य के लिये प्रशंसा की। बौद्धिक कार्यक्रम के अन्तर्गत आज का विषय था **सहज योग आज का महायोग** जिसमें आज के हमारे अतिथि श्री लोकेश जी तथा श्रीमति नीतू थे। आज इस बौद्धिक कार्यक्रम सत्र को चारों इकाईयों ने समवेत रूप में एक ही स्थान पर एकत्रित होकर प्रारम्भ किया। श्री लोकेश जी सहज योग के अन्तर्गत शरीर में सात चक्रों की व्याख्या की तथा इसे विज्ञान से जोडते हुए इसके महत्व पर

प्रकाश डाला। चूंकि आज का बौद्धिक कार्यक्रम समवेत रूप से कृष्णाकुंज शिविर स्थल पर ही बनाया गया था इसलिये आज सांय चार बजे कोई भी स्वयंसेवक भ्रमण के लिये नहीं गया तथा सभी ने अपनी–अपनी टोली बनाकर विभिन्न खेल खेले जिसमें छात्राओं द्वारा खो–खो तथा छात्रों द्वारा कबडडी तथा दौड का खेल उल्लेखनीय रहे। सांय 6 बजे स्वयंसेवकों ने रात्रि भोजन की तैयारी प्रारम्भ कर दी जिसमें आज के दिन महाविद्यालय की चतुर्थ इकाई ने भोजन बनाने का कार्यभार ग्रहण किया जिसमें उन्होंनें अपने कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 योगेन्द्र जी की मदद ली। भोजन का का कार्य लगभग रात्रि 8 बजे समाप्त हो गया जिसके पश्चात् कैम्प फॉयर लगाया गया स्वयंसेवकों विभिन्न विषयों में लघु नाटिकाओं का प्रर्दशन किया। रात्रि दस बजे लडकों के दल के साथ श्री मयंक मोहन रहे तथा लडकियों के दल के साथ डॉ0 सीमाराज जी रही। कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 अमर सिंह कश्यप तथा डॉ0 योगेन्द्र अपने–अपने दल के कुछ लडकों के साथ सुरक्षा शिविर में सोये। आज रात्रि कुछ असामाजिक तत्वों ने कुछ

उत्पात मचाने की कोशिश की लेकिन चारों कार्यक्रम अधिकारियों की तत्परता, स्थानीय लोगों का सहयोग तथा स्वयंसेवकों की समझदारी से कोई भी अप्रिय घटना घटित नहीं हुई।

शिविर के पांचवे दिन प्रातः 5 बजे सभी स्वयंसेवक जाग गये तथा छात्रों ने डॉ0 मयंक मोहन एवं डॉ0 अमर सिंह कश्यप के साथ व्यायाम किया तथा छात्राओं ने डॉ0 सीमाराज एवं श्री भूपेन्द्र जी के साथ योगाभ्यास किया। नाश्ते के पश्चात् 9 बजे सहजयोग के लिये श्री लोकेश कुमार जी ने स्वयंसेवकों को प्रेरित किया तथा संगीत के सात स्वरों के आधार पर कुडलनी जागृत करने का अभ्यास कराया। 11 बजे सभी स्वयंसेवक अपने–अपने कार्यक्रम अधिकारियों के साथ ग्राम सीकरी गये तथा वहां के ऐतिहासिक शिव मंदिर का भ्रमण किया तत्पश्चात् चारों इकाई अपने–अपने कार्यक्रम अधिकारियों साथ विभक्त हो गई तथा सीकरी ग्राम की विभिन्न दलित मोहल्लों में सामाजिक कुरितियों और विभिन्न विकास से संबधित बातों के ज्ञान के प्रसार के लिये निकल गयी। यहां सभी एन0एस0एस0

अधिकारियों ने सभी इकाईयों के स्वयंसेवकों को एक–एक प्रश्नावली दी तथा बताया कि इस प्रश्नावली के माध्यम से ही उनके कार्य का आकलन किया जायेगा। दोपहर 2 बजे तक सभी स्वयंसेवक अपने शिविर स्थल पर लौट आये तथा उन्होंने भोजन किया। यहां उल्लेखनीय है कि दोपहर भोजन के प्रबन्ध के लिये चारों इकाईयों के 5–5 स्वयंसेवक शिविर स्थल पर ही रूके थे जिन्होंने पूर्ण कुशलता के साथ अपने कार्य को पूरा किया। बौद्धिक कार्य के अन्तर्गत सांय 4 बजे श्री प्रभात शर्मा जी, स्पेशल क्राइम ब्रांच अधिकारी, दिल्ली हमारे मध्य मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए तथा उन्होंने अपने विद्यार्थी जीवन के अनुभव हमारे साथ साझा करते हुए स्वयंसेवकों को इस विषय के बारे में जानकारी दी कि यदि उन्हें पुलिस विभाग में सेवायें देने की इच्छा है तो वें किस प्रकार तैयारी कर सकते हैं स्वयंसेवकों ने पूर्ण मनोयोग से उनके साथ वार्तालाप किया। आज सभी स्वयंसेवक अपने–अपने व्यक्तिगत साधनों से उस क्षेत्र के गरीब विद्यार्थियों के लिये कुछ पाठ्य सामग्री लाये थे जो कि

उन्होंने संस्कार एकेडमी के संचालक महोद्य को सौंप दी। सांय 4 बजे बौद्धिक कार्यक्रम के पश्चात् सभी स्वयंसेवकों ने मिलकर शिविर स्थल तथा उसके आस–पास के क्षेत्रों की साफ–सफाई की। सांय 5 बजे सभी स्वयंसेवक अपनी–अपनी टोली के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों की तैयारी की। सायं 6 बजे के लगभग स्वयंसेवकों ने रात्रि भोजन की तैयारी प्रारम्भ कर दी जिसमें आज के दिन महाविद्यालय की प्रथम एवं द्वितीय इकाइयों ने भोजन बनाने का कार्यभार ग्रहण किया जिसमें उन्होंनें अपने कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 अमर सिंह कश्यप तथा डॉ0 सीमाराज की मदद ली। भोजन का कार्य लगभग रात्रि 8 बजे समाप्त हो गया जिसके पश्चात् कैम्प फॉयर लगाया गया स्वयंसेवकों अतांक्षरी का प्रोग्राम किया जिसमें लडकियों की टोली विजयी रही। इसी मध्य श्री योगेन्द्र जी ने सामान्य ज्ञान के कुछ रोचक प्रश्न स्वयंसेवकों से पूछे। रात्रि दस बजे लडकों के दल के साथ श्री मयंक मोहन रहे तथा लडकियों के दल के साथ डॉ0 सीमाराज जी रही। कार्यक्रम अधिकारी

डॉ0 अमर सिंह कश्यप तथा डॉ0 योगेन्द्र अपने–अपने दल के कुछ लडकों के साथ सुरक्षा शिविर में रहे।

शिविर के छठें दिन सभी स्वयंसेवकों ने अपने कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 मयंक मोहन के साथ ग्राम भूपेन्द्रपुरी में अपने द्वारा किये गये कार्यों का अवलोकन किया तथा साथ ही ग्रामीणों की सहायता से वृक्षारोपण का भी कार्य किया। गत वर्ष जो वृक्षारोपण स्वयंसेवकों द्वारा किया गया था ग्रामीणों की अच्छी देख–रेख के कारण वे काफी विकसित हो चुके थे। दोपहर 11 बजे नुक्कड नाटक के माध्यम से दहेज विरोधी, लडका, लडकी में भेदभाव, जुआखोरी एवं नशाखोरी से संबधित समस्याओं की ओर लोगों का ध्यान आर्कषित किया गया। ग्राम प्रधान श्री रमेश जी द्वारा वहां के स्थानीय निवासियों की समस्याओं का निराकरण करने का आश्वासन दिया गया। आज शिविर स्थल पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन भी हुआ जिसमें स्वयंसेवको ने बढ–चढकर हिस्सा लिया। बौद्धिक कार्यक्रम की गोष्ठी का आज का विषय **रक्त दान, महादान** था।

जिसमें रोटरी क्लब के सदस्य अपनी वैन लेकर आये तथा उन्होंने स्वयंसेवकों को रक्त दान करने से होने वाली भ्रांतियों को स्वयंसेवकों के मन से दूर किया तथा उसके सामाजिक लाभों से अवगत कराया। उनसे प्रेरणा पाकर कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 मयंक मोहन सहित 37 स्वयंसेवकों ने रक्त दान किया जिसके उपरान्त रोटरी क्लब वालों ने उन सभी स्वयंसेवकों को प्रमाण–पत्र उपलब्ध कराये जिसके माध्यम से आवश्यकता पडने पर वे एक यूनिट रक्त कभी भी उस संस्था से ले सकते हैं। सांय 4 बजे बौद्धिक कार्यक्रम के पश्चात् सभी स्वयंसेवकों ने मिलकर शिविर स्थल तथा उसके आस–पास के क्षेत्रों की साफ–सफाई की। सांय 5 बजे सभी स्वयंसेवक अपनी–अपनी टोली के साथ विभिन्न प्रकार की क्रिडाओं में व्यस्त हो गये। सायं 6 बजे के लगभग स्वयंसेवकों ने रात्रि भोजन की तैयारी प्रारम्भ कर दी जिसमें आज के दिन महाविद्यालय की तृतीय एवं चतुर्थ इकाइयों ने भोजन बनाने का कार्यभार ग्रहण किया जिसमें उन्होंनें अपने कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 मयंक मोहन तथा श्री योगेन्द्र की मदद

ली। भोजन का कार्य लगभग रात्रि 8 बजे समाप्त हो गया जिसके पश्चात् कैम्प फॉयर लगाया गया जिसमें सभी स्वयंसेवकों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। कुछ समय के लिये अपने चारों कार्यक्रम अधिकारियों के साथ सभी इकाईयों के स्वयंसेवकों ने अगले दिन समापन शिविर के विषय में परिचर्चा की। रात्रि दस बजे लडकों के दल के साथ श्री मयंक मोहन रहे तथा लडकियों के दल के साथ डॉ0 सीमाराज जी रही। कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 अमर सिंह कश्यप तथा डॉ0 योगेन्द्र अपने–अपने दल के कुछ लडकों के साथ सुरक्षा शिविर में रहे।

शिविर के अन्तिम तथा सांतवे दिन सभी स्वयंसेवक प्रातः 5 बजे उठे तथा उन्होंने 6 बजे तक व्यायाम एवं योगा किया। नाश्ते के पश्चात् प्रातः 9 बजे सभी छात्र –छात्राओं ने ग्रामवासियों के सहयोग के लिये उन्हें धन्यवाद देने हेतु ग्राम का भ्रमण किया तथा ग्रामीण क्षेत्र के वरिष्ठ नागरिकों से आग्रह किया कि वे दोपहर 2 बजे शिविर के समापान समारोह में आकर उसकी शोभा बढाये। 11 बजे चारों

इकाईयों के स्वयंसेवक कृष्णाकुंज में लगे शिविर में उपस्थित हो गये क्योंकि महाविद्यालय की चारों इकाईयों का समापन एक साथ होना सुनिश्चित हुआ था। यहां जो स्वयंसेवक सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग ले रहे थे वे अपनी रिहर्सल में लग गये बाकी ने दोपहर के भोजन की तैयारी की। 1.30 बजे तक सभी स्वयंसेवकों ने भोजन कर लिया। दोपहर 2 बजे प्राचार्य महोद्य तथा श्री अरूण कुमार जी समापन समारोह में मुख्य अतिथी के रूप में उपस्थित हुए। मुख्य अतिथी एवं विशिष्ट अतिथी के अतिरिक्त शिविर के समापन समारोह में सहज योग से श्री लोकेश कुमार जी भी आये। अतिथियों के स्वागत के पश्चात् डॉ0 मयंक मोहन, डॉ0 सीमाराज, डॉ0 अमर सिंह कश्यप तथा श्री योगेन्द्र सक्सेना जी ने अपने–अपने शिविर की सात दिवसीय (दिन–रात) शिविर की आख्या प्रस्तुत की। तत्पश्चात् चारों इकाईयों के स्वयंसेवकों ने रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुती की इसमें नृत्य के अतिरिक्त नाटकों का भी प्रदर्शन हुआ। प्राचार्य महोद्य ने पोस्टर प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका भी निभाई। चारों

इकाईयों के 3–3 स्वयंसेवकों ने अपने अनुभवों को साझा किया। एक पुराने एन0एस0एस0 के विद्यार्थी ने अपनी स्वयं की लिखी कविता से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। अन्त में प्रार्चाय महोद्य ने सभी का आभार व्यक्त किया इस अवसर पर पत्रकार बन्धुओं ने भी उपस्थित होकर स्वयंसेवियों का उत्साह बढाया। एन0एस0एस0 कार्यक्रम प्रभारी डॉ मयंक मोहन ने उपस्थित सभी लोगों का आभार व्यक्त किया तथा एक–दूसरे से विदाई ली। शिविर समापन के पश्चात् सभी कार्यक्रम अधिकारियों ने कुछ छात्रों के साथ मिलकर शिविर स्थल से एन0एस0एस0 का सामान वापस महाविद्यालय में पहुंचवाया।

सात दिवसीय विशेष शिविर में स्वयंसेवकों द्वारा किये गये कार्य

	कार्य	
1	जल संरक्षण की जानकारी देना।	160
2	परिवार नियोजन के लाभ बताना	80
3	बी0एल0ओ0 की मदद से वोटर आई0डी0कार्ड बनवाये	152
4	सरकारी योजनाओं से अवगत कराना।	62
5	वृक्षारोपण करना	25
6	सामाजिक कुरितियों का विरोध करना	13
7	युवतियों को सिलाई, एंव बुनाई सिखाना	22
8	समाज के प्रति शिक्षित युवा वर्ग के दायित्व के कर्तव्य के बारे में अवगत कराना।	36
9	आपदा के समय बचाव सम्बन्धी जानकारी देना।	17
10	मकान/घरो के अन्दर और बाहर एंव आस –पास में सफाई सम्बन्धी जानकारी देना	52
11	राष्ट्रीय एकता एवं मतदान पर रैलियों के माध्यम से जानकारी देना	10
12	रक्तदान किया	37

डॉ0 मयंक मोहन
कार्यक्रम अधिकारी
तृतीय इकाई